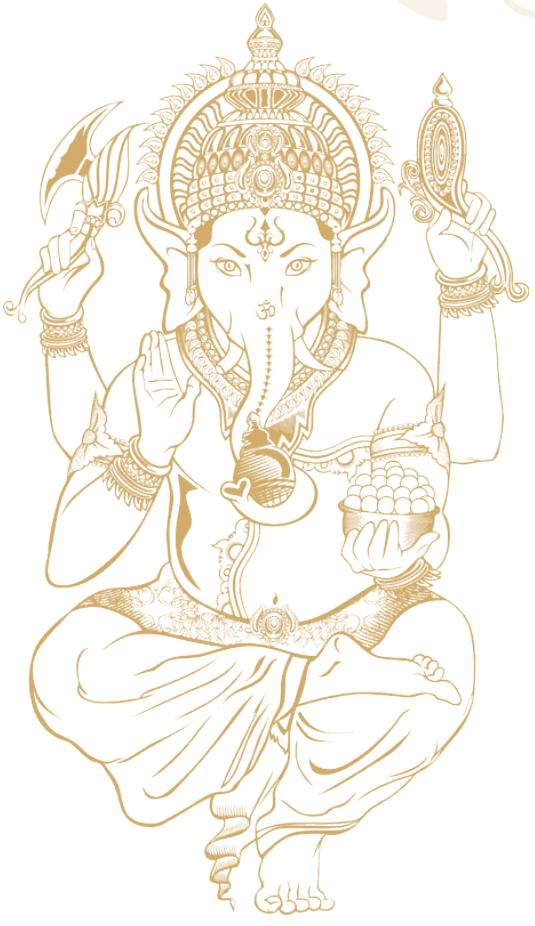

Prakhar Pratap Singh

Kirti Jadaun

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121530802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/03/1997	जन्म तिथि	07/02/2001
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	21:36:00 घंटे
घटी 24:43:43	जन्म समय(घटी)	36:26:18 घटी
India	देश	India
Aligarh	स्थान	Gwalior
27:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:30	सूर्योदय	06:58:50
18:31:26	सूर्यास्त	18:04:33
23:49:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 2मा 6दि	10:36:19	सिंह	लग्न	कन्या	12:51:30	शनि 0वर्ष 9मा 11दि
गुरु	11:00:22	मीन	सूर्य	मक	25:05:03	शुक्र
01/06/2021	24:53:10	कन्या	चंद्र	कर्क	16:07:08	19/11/2025
01/06/2037	29:48:40	सिंह व	मंगल	वृश्चि	02:19:28	19/11/2045
गुरु 20/07/2023	24:22:07	मीन	बुध व	कुंभ	05:39:06	शुक्र 21/03/2029
शनि 30/01/2026	19:59:15	मक	गुरु	वृष	07:37:16	सूर्य 21/03/2030
बुध 07/05/2028	08:56:25	मीन	शुक्र	मीन	10:10:59	चन्द्र 20/11/2031
केतु 13/04/2029	15:44:36	मीन	शनि	वृष	00:22:02	मंगल 19/01/2033
शुक्र 13/12/2031	04:55:49	कन्या व	राहु व	मिथु	21:19:21	राहु 20/01/2036
सूर्य 30/09/2032	04:55:49	मीन व	केतु व	धनु	21:19:21	गुरु 20/09/2038
चन्द्र 30/01/2034	13:53:48	मक	हर्ष	मक	26:50:32	शनि 19/11/2041
मंगल 06/01/2035	05:45:24	मक	नेप	मक	12:51:49	बुध 19/09/2044
राहु 01/06/2037	11:42:13	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:59:48	केतु 19/11/2045

लग्न-चलित

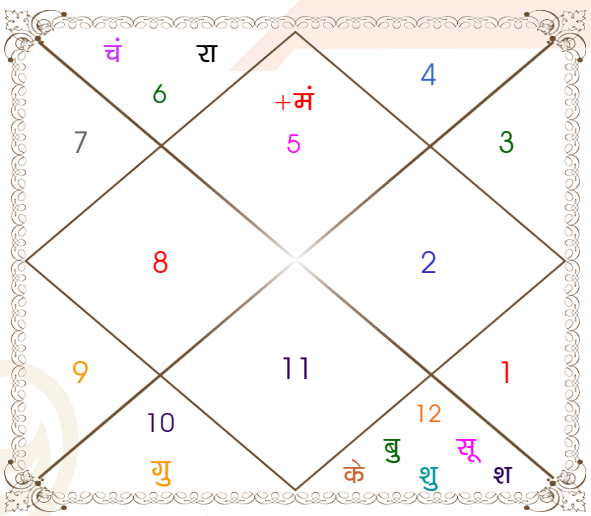

लग्न-चलित

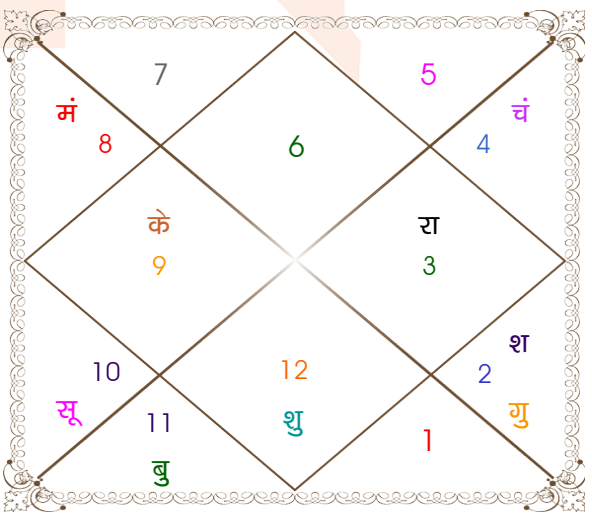

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ज्ञपतजप श्रंकंनद का नक्षत्र पुष्य है।

च्तींत च्तंजंचै पदही का वर्ग मूषक है तथा ज्ञपतजप श्रंकंनद का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तींत च्तंजंचै पदही और ज्ञपतजप श्रंकंनद का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तींत च्तंजंचै पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

ज्ञपतजप श्रंकंनद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ज्ञपतजप श्रंकंनद कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तींत च्तंजंचै पदही तथा ज्ञपतजप श्रंकंनद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।